Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2020 SHISRRJ | Volume 3 | Issue 3 | ISSN : 2581- 6306

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

शोध निर्देशक
प्रो0 (डॉ0) के0के0 तिवारी
शिक्षक–शिक्षा विभाग
नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय),
प्रयागराज,उत्तर प्रदेश।

शोधकर्त्री
कविता जायसवाल
शिक्षक–शिक्षा विभाग
नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय),
प्रयागराज,उत्तर प्रदेश।

सारांश– प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन को सम्पादित करने हेतु प्रयागराज जनपद में स्थित माध्यमिक विद्यालयों के प्राप्त समस्त विद्यालयों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है। सम्बन्धित जनसंख्या से प्रतिदर्श का चुनाव करने हेतु सर्वप्रथम 4 माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा–10 में अध्ययनरत् 100 विद्यार्थियों जिसमें 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा कर न्यादर्श के रूप में सम्मिलित कर लिया। विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा को मापने के लिए डॉ0 टी0 आर0 शर्मा द्वारा निर्मित 'एकेडमिक एचीवमेन्ट एण्ड मोटीवेशन टेस्ट' तथा शैक्षिक उपलब्धि हेतु विद्यार्थियों के कक्षा–9 की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांकों के प्रतिशत को सम्मिलित किया गया है। प्रदत्तों के संकलन एवं मूल्यांकन के पश्चात अगला पद उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग में एनोवा (प्रसरण विधि) तथा टी–अनुपात का प्रयोग किया गया है। शैक्षिक उपलब्धि के सम्बन्ध में तीनों प्रकार के अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों एवं छात्राओं में विभिन्नता है जबकि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में समानता पायी गयी।

मुख्य शब्द– माध्यमिक स्तर, छात्र–छात्राएँ, अभिप्रेरणा, शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना– अभिप्रेरणा एक ऐसी परिकल्पनात्मक प्रक्रिया है जो प्राणी के व्यवहार के निर्धारण व संचालन से सम्बन्ध रखती है। व्यवहार को अनुप्रेरित, सक्रिय, प्रारम्भ अथवा बनाए रखने वाले कारकों को अभिप्रेरणात्मक कारक कहा जाता है। अभिप्रेरणात्मक प्रक्रियाओं को इंगित करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। वास्तव में यह एक आन्तरिक शक्ति होती है जो प्राणी को किसी विशिष्ट प्रकार के कार्य को करने के लिए प्रेरित करती हैं। अभिप्रेरणा को प्रत्यक्ष निरीक्षण के द्वारा देखा जाना सम्भव नहीं हो पाता हैं प्राणी के व्यवहार का अवलोकन करके उसकी अभिप्रेरणा को समझा जा सकता है। अभिप्रेरणा वास्तव में क्यों के प्रश्न का उत्तर देती है। व्यक्ति खाना क्यों खाता है? व्यक्ति दूसरों से क्यों लड़ता है? व्यक्ति उच्च पदों पर क्यों जाना चाहता है? जैसे प्रश्नों का उत्तर अभिप्रेरणा से सम्बन्धित है। मनोवैज्ञानिकों ने अभिप्रेरणा शब्दों को भिन्न–भिन्न ढंग से परिभाषित किया है।

गुड के अनुसार – ''अभिप्रेरणा किसी कार्य को प्रारम्भ करने जारी रखने अथवा नियंत्रित करने की प्रक्रिया है।''

अभिप्रेरणा में व्यक्ति का व्यवहार लक्ष्य निर्देशित होता है अर्थात् अभिप्रेरित व्यवहार को कोई न कोई स्पष्ट लक्ष्य अथवा उद्देश्य अवश्य होता है तथा प्राणी उस उद्देश्य को प्राप्ति करने के लिए क्रियाशील तथा प्रयासरत है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि अभिप्रेरणा प्राणी में ऊर्जा परिवर्तन लाती है। व्यक्ति का अभिप्रेरित व्यवहार उसके सामान्य व्यवहार की तुलना में अधिक प्रबल होता है अर्थात् अभिप्रेरित अवस्था में प्राणी अधिक उत्तेजित, अधिक क्रियाशील तथा अधिक अर्जित होता है। अभिप्रेरित व्यवहार की प्रकृति चयनात्मक होती है अर्थात् अभिप्रेरित अवस्था में प्राणी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कुछ चयनित प्रतिक्रियायें ही करता है। अभिप्रेरित व्यवहार में निरन्तरता होती है अर्थात् अभिप्रेरित व्यवहार में निरन्तरता होती है अर्थात् अभिप्रेरित व्यवहार एक बार उत्पन्न होने के बाद तब तक निरन्तर चलता रहता है जब तक प्राणी अपने वांछित उद्देश्य की प्राप्ति नहीं कर लेता है। अभिप्रेरणा में भावात्मक उत्तेजना पाई जाती है जिसके कारण प्राणी में एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक तनाव उत्पन्न हो जाता है। प्राणी इस तनाव को दूर करने के लिए सतत प्रयासरत रहता है। अभिप्रेरणा का तनाव ही प्राणी को सकारात्मक दिशा में प्रयास करने के लिए अग्रसारित करता है।

अभिप्रेरणा से हमारा तात्पर्य उत्साह के संचार से हैं जिसके माध्यम से हम लक्ष्यों एवं कार्यों में निष्पादन के लिए जागरूक हो जाते हैं।

उपलब्धि के संदर्भ में अभिप्ररेणा की भूमिका को निम्न सूत्र द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है– उपलब्धि = योग्यता+अभिप्ररेणा। उपलब्धि अभिप्ररेण सिद्धान्त के प्रतिपादक एटकिन्सन, क्लार्क तथा लोवेल ने 1953 में किया। इनके अनुसार '' वांछित निष्पत्ति के संदर्भ में उत्तेजना का संचार होना उपलब्धि अभिप्रेरणा कहलाता है।'' इसी प्रकार शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरण वांछित उद्देश्यों के निष्पादन में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त अभिप्रेरकीय सहयोग ही शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा कहलाता है। शिक्षा में अभिप्रेरण द्वारा शैक्षिक उद्देश्यों का निष्पादन शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रत्यय को स्पष्ट करता है।

ठाकुर, मुरलीधर (2018) ने अध्यापको की कार्यशैली : अध्यापक अभिप्रेरणा एवं अध्यापन शैली के लिए निहितार्थ पर अध्ययन किया। अध्यापको को कार्य से पूरी तरह जोड़े रखने के लिए अभिप्रेरणा मुख्य कारक हो सकती है। अभिप्ररेणा अध्यापक के विशिष्ट लक्ष्य के प्रति व्यवहार को दिशा प्रदान करती है तथा उसे और अधिक ऊर्जा शक्ति एवं प्रयास के साथ कार्य करने के लिए अभिप्रेरित करती है। यह शैक्षिक गतिविधियों में अध्यापक की सहभागिता बढ़ाने बनाये रखने संज्ञानात्मक संसाधन बढ़ाने किस तरह की निष्पत्तियाँ अभिप्रेरक है, इसका निर्धारण करने एवं बेहतर कार्य निष्पादन के लिए नेतृत्व प्रदान करती है। **फिलिप्स, रोशम्मा (2008)** ने निष्कर्ष में पाया गया कि– बालक–बालिका, शहरी–ग्रामीण, सरकारी एवं गैर सरकारी उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में उपलब्धि एवं उपलब्धि अभिप्रेरणा में धनात्मक एवं सार्थक सम्बन्ध पाया गयाा। **यूनेस एवं अन्य (2014)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि– विद्यार्थियों के प्रभावशाली एवं प्रयोगात्मक तरीकों द्वारा अध्ययन कराने पर उनके शैक्षिक उपलब्धि एवं प्रदर्शन में वृद्धि के साथ–साथ उनके स्व–अनुशासन क्षमता में वृद्धि होती है। **गुप्ता, लीलेश एवं राजकुमार (2016)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि– शहरी एवं सरकारी संस्थानों के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है। **लौर, बबिता (2017)** ने निष्कर्ष में पाया गया कि– क्षेत्र के आधार पर विद्यार्थियों के शैक्षिक अभिप्रेरणा पर प्रभाव पड़ता है साथ ही

विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि को भी प्रभावित करता है। **त्रिपाठी, सुनील मणि एवं सिंह, जय (2017)** ने निष्कर्ष में पाया गया कि– माध्यमिक स्तर के उपलब्धि अभिप्रेरक वाले छात्र एवं छात्राओं की उपलब्धि में अन्तर नहीं है जबकि शहरी क्षेत्रों के उपलब्धि अभिप्रेरक वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र के उपलब्धि अभिप्रेरक वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से अधिक पायी गयी। **महावर एवं पारीक (2018)** ने निष्कर्ष के रूप में पाया– गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में अभिप्रेरित व्यवहार सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्च पाया गया। **संथी, आर. एवं सुथनथीरादेवी, के.बी. जैसमीन (2019)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि–माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक एवं सकारात्मक सम्बन्ध है।

अतः शोधकर्त्री द्वारा अपने विषय का चयन इन्हीं आधार पर करते हुए माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन का चयन किया है।

समस्या कथन–

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

अध्ययन का उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्यों का अध्ययन किया गया है–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के छात्रों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर के छात्राओं के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ–

1. माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के छात्रों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के छात्राओं के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

शोध विधि–

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है।

अध्ययन की जनसंख्या–

प्रस्तुत अध्ययन को सम्पादित करने हेतु प्रयागराज जनपद में स्थित माध्यमिक विद्यालयों के प्राप्त समस्त विद्यालयों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है।

अध्ययन का न्यादर्श–

सम्बन्धित जनसंख्या से प्रतिदर्श का चुनाव करने हेतु सर्वप्रथम 4 माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा–10 में अध्ययनरत् 100 विद्यार्थियों जिसमें 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा कर न्यादर्श के रूप में सम्मिलित कर लिया।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण–

विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा को मापने के लिए डॉ0 टी0 आर0 शर्मा द्वारा निर्मित 'एकेडमिक एचीवमेन्ट एण्ड मोटीवेशन टेस्ट' तथा शैक्षिक उपलब्धि हेतु विद्यार्थियों के कक्षा–9 की परीक्षा में प्राप्त प्राप्तांकों के प्रतिशत को सम्मिलित किया गया है।

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियां–

प्रदत्तों के संकलन एवं मूल्यांकन के पश्चात अगला पद उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग में एनोवा (प्रसरण विधि) तथा टी–अनुपात का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

उद्देश्य–1 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन–

H_{01} माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का एफ–अनुपात

स्रोत	स्वतंत्रांश (df)	वर्ग योग (SS)	माध्य वर्ग योग (MS)	प्रसरण–मान (F-Value)
समूहों के मध्य	2	1949.34	974.67	13.42*
समूहों के अन्दर	98	7116.43	72.62	
कुल	**100**	**9065.77**	**1047.29**	

*0.01 स्तर पर सार्थक

तालिका 1 में समूहों के मध्य का वर्ग योग (SS) एवं माध्य वर्ग योग (MS) क्रमशः 1949.34 एवं 974.67 तथा समूहों के अन्दर क्रमशः 7116.43 एवं 72.62 है। एफ–अनुपात = (13.42) जो कि स्वतंत्रांश = (2, 97) पर एफ–अनुपात के क्रान्तिक मान 4.82 से अधिक है, 0.01 पर सार्थक है। पूर्व निर्मित शून्य परिकल्पना (H_{01}) अस्वीकृत होती है। परिणामतः शैक्षिक उपलब्धि के सम्बन्ध में तीनों प्रकार के अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों में विभिन्नता है।

तालिका 1.1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का क्रान्तिक–अनुपात

क्र. सं.	विद्यालय	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	मानक त्रुटि (σ_D)	मध्यमानों का अन्तर (D)	क्रान्तिक–अनुपात (t-value)
1.	उच्च	34	59.83	2.01	8.31	4.13*
	मध्यम	38	51.52			
2.	उच्च	34	59.83	2.15	10.25	4.76*
	निम्न	29	49.59			
3.	मध्यम	38	51.52	2.10	1.94	0.92

	निम्न	29	49.59			

*0.01 स्तर पर सार्थक

तालिका 1.1 में ***माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि*** का मध्यमान क्रमशः 59.83, 51.52 एवं 49.59 है। प्रत्येक युग्म का क्रान्तिक–अनुपात df पर t का मान 0.01 स्तर पर दिये गये मान से अधिक है, जो सार्थक है। माध्यमिक स्तर के उच्च अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की तुलना में उच्च है जबकि मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समानता है। अतः उच्च अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च जबकि मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि कम पायी गयी।

उद्देश्य–2 माध्यमिक स्तर के छात्रों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन–

H_{02} माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का एफ–अनुपात

स्रोत	स्वतंत्रांश (df)	वर्ग योग (SS)	माध्य वर्ग योग (MS)	प्रसरण–मान (F-Value)
समूहों के मध्य	2	505.44	252.72	3.18*
समूहों के अन्दर	47	3729.98	79.36	
कुल	**49**	**4235.42**	**332.08**	

*0.01 स्तर पर असार्थक

तालिका 2 में समूहों के मध्य का वर्ग योग (SS) एवं माध्य वर्ग योग (MS) क्रमशः 505.44 एवं 252.72 तथा समूहों के अन्दर क्रमशः 3729.98 एवं 79.36 है। एफ–अनुपात = (3.18) जो कि स्वतंत्रांश = (2, 47) पर एफ–अनुपात के क्रान्तिक मान 5.06 से कम है, 0.01 पर असार्थक है। पूर्व निर्मित शून्य परिकल्पना (H_{02}) स्वीकृत होती है। परिणामतः शैक्षिक उपलब्धि के सम्बन्ध में तीनों प्रकार के अभिप्रेरणा वाले छात्रों में विभिन्नता नहीं है अर्थात् मध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है।

उद्देश्य–3 माध्यमिक स्तर के छात्राओं के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन–

H_{03} माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 3

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का एफ–अनुपात

स्रोत	स्वतंत्रांश	वर्ग योग	माध्य वर्ग योग	प्रसरण–मान

	(df)	(SS)	(MS)	(F-Value)
समूहों के मध्य	2	2701.24	1350.62	32.65*
समूहों के अन्दर	48	1985.30	41.36	
कुल	**50**	**4686.55**	**1391.98**	

*0.01 स्तर पर सार्थक

तालिका 3 में समूहों के मध्य का वर्ग योग (SS) एवं माध्य वर्ग योग (MS) क्रमशः 2701.24 एवं 1350.62 तथा समूहों के अन्दर क्रमशः 1985.30 एवं 41.36 है। एफ–अनुपात = (32.65) जो कि स्वतंत्रांश = (2, 97) पर एफ–अनुपात के क्रान्तिक मान 5.06 से अधिक है, 0.01 पर सार्थक है। पूर्व निर्मित शून्य परिकल्पना (H_{01}) अस्वीकृत होती है। परिणामतः शैक्षिक उपलब्धि के सम्बन्ध में तीनों प्रकार के अभिप्रेरणा वाली छात्राओं में विभिन्नता है।

तालिका 3.1

माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का क्रान्तिक–अनुपात

क्र. सं.	विद्यालय	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	मानक त्रुटि (σ_D)	मध्यमानों का अन्तर (D)	क्रान्तिक–अनुपात (t-value)
1.	उच्च	18	62.39	2.14	15.96	7.45
	मध्यम	18	46.43			
2.	उच्च	18	62.39	2.25	14.19	6.31
	निम्न	15	48.20			
3.	मध्यम	18	46.43	2.25	1.78	0.79
	निम्न	15	48.20			

*0.01 स्तर पर सार्थक

तालिका 3.1 में **माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि** का मध्यमान क्रमशः 62.39, 46.43 एवं 48.20 है। प्रत्येक युग्म का क्रान्तिक–अनुपात df पर t का मान 0.01 स्तर पर दिये गये मान से अधिक है, जो सार्थक है। माध्यमिक स्तर के उच्च अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की तुलना में उच्च है जबकि मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में समानता है। अतः उच्च अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि उच्च जबकि मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि कम पायी गयी।

निष्कर्ष–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये–

1. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में विभिन्नता है अर्थात् उच्च अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च तथा मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न है अर्थात् माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव है।
2. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाले छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में समानता है अर्थात् माध्यमिक स्तर के छात्रों के अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के उच्च, मध्यम एवं निम्न अभिप्रेरणा वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में विभिन्नता है अर्थात् माध्यमिक स्तर के छात्राओं अभिप्रेरणा का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- ए0बी0 भटनागर, मीनाक्षी भटनागर तथा अनुराग भटनागर, अधिगमकर्ता का निकाय एव शिक्षण अधिगम प्रक्रिया (संस्करण 2008) मेरठ आर0 लाल बुक डिपों पृ0 132
- गुप्ता, लीलेश एण्ड राजकुमार (2016). तकनीकी शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का एक अध्ययन, *इण्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मैनेजमेण्ट साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी*, वॉ0 7, इश्शू–6, पृ0सं0 83–87
- ठाकुर, मरलीधर (2018). अध्यापको की कार्यशैली : अध्यापक अभिप्रेरण एवं अध्यापन शैली के लिए निहितार्थ, *शोध समागम, ए मल्टीडिस्पिलनरी एण्ड मल्टीलिंगुल रिसर्च जर्नल*, पृ0 94–103
- फिलिप, रोशमा (2008). ए स्टडी ऑफ द रिलेशनशिप बिट्विन इंटेलिजेन्स, साइंटिफिक क्रियेटिव, एचिवमेण्ट मोटिवेशन, होम इन्वायरमेण्ट एण्ड एचिवमेण्ट इन साइंस ऑफ हायर सेकेण्डरी स्कूल पुप्लिस ऑफ केरला, पी. एच.डी. (शिक्षाशास्त्र), साइंस ऑफ पेडागोजिकल साइंस, महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, केरला।
- महावर, ज्योति एवं पारीक, अलका (2018). शिक्षकों की नेतृत्वशीलता का विद्यार्थियों के अभिप्रेरित व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन, *इन्सपीरा–जर्नल ऑफ मार्डन मैनेजमेण्ट एण्ड इण्टरप्रीन्यूरशिप*, वॉल्यूम–08, नं0 04, पृ0 552–554
- यूनेस एट ऑल (2014). द इफेक्टिवनेस ऑफ सेल्फ–रेगुलेशन इन स्टूडेन्ट्स एकेडमिक एचिवमेण्ट मोटिवेशन, *प्रैक्टिस इन किलिनिकल सॉइकोलॉजी*, वॉ0 2, नं0 4, पृ0सं0 237–246
- लौर, बबिता (2017). एचिवमेण्ट एमंग सीनियर सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स : ए कम्प्रेटिव स्टडी ऑन द बेसिस ऑफ एकेडमिक मोटिवेशन एण्ड लोकलटी, *ग्लैक्सी इण्टरनेशनल इण्टरडिस्पिलनरी रिसर्च जर्नल*, वॉ0 5(3), पृ0 1–13
- सरफराज अहमद (2012) ''शिक्षा में अभिप्ररेण एवं वातावरण एक अध्ययन'' अलीगढ़ः वाड्मय बुक्स पृ0 27
- संथी, आर. एवं सुथनथीरादेवी, के.बी. जैसमीन (2019). ए स्टडी ऑन एचिवमेण्ट मोटीवेशन ऑफ सेकेण्डरी स्टूडेन्ट्स ऑफ गवर्नमेण्ट स्कूल्स इन तिरूअनमलाई डिस्ट्रिक, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसेण्ट टेक्नोलॉजी एण्ड इजीनियरिंग*, वॉ0 8, इश्शू–1, पृ0सं0 1911–1913

- त्रिपाठी, सुनील मणि एवं सिंह, जय (2017). जौनपुर जिले के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों की उपलब्धि अभिप्रेरक का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर होने वाले प्रभाव का अध्ययन, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिपलनरी एजुकेशन एण्ड रिसर्च*, वॉ0 2, इश्शू–2, पृ0 19–23